हिंदी का ई-संसार/विविध आयाम

प्रवीण सिंह

मध्य प्रदेश, भारत

भूमिका:

एक अरब सत्ताईस करोड़ आबादी वाले देश में हिंदी सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा है। हिंदी देश की सत्तर प्रतिशत से अधिक आबादी की अभिव्यक्ति का माध्यम है। आज ब्रिटेन, अमेरिका, कनाडा, गुयाना, मारीशस, सूरीनाम, फीजी, नीदरलैंड, दक्षिण अफ्रीका, त्रिनिदाद जैसे देशों में हिंदी बोलने वाले लोगों की संख्या काफी बढ़ी है। यह गौरव का विषय है कि आज के सूचना युग, जो क्म्प्यूटर युग और डीजिटल युग भी कहलाता है के काल में हमारी हिंदी भाषा दिन प्रति दिन और ज्यादा सशक्त होती जा रही है। गूगल न्यूज़, गूगल ट्रांसलेट तथा ऑनलाइन फोनेटिक टाइपिंग जैसे साधनों ने ई-संसार में हिंदी के विकास में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है। औद्योगिक क्रांति के बाद हुए औद्योगीकरण द्वारा स्थापित आर्थिक व्यवस्था धीरे-धीरे सूचना क्रांति द्वारा स्थापित कम्प्यूटर-आधारित अर्थव्यवस्था में परिवर्तित हो चुकी है। भारतीय अर्थव्यवस्था का वैश्वीकरण हुआ जिसने विदेशी कंपनियों को भारतीय बाजार में व्यवसाय का अवसर प्रदान किया। इसके साथ ही विकसित देशों में हिंदी को लेकर ललक बढ़नी शुरू हुई और इंटरनेट की दुनिया में हिंदी भाषा की आवश्यकता और महत्व ने सभी का ध्यान आकर्षित किया।

ई-संसार और हिंदी भाषा:

वैसे ई-संसार या डिजिटल युग के बारे में बात करने पर सबसे पहले हमारे दिमाग में अंग्रेजी भाषा का खयाल आता है क्यूंकि कंप्यूटर या स्मार्टफोन से जुड़े ज्यादातर सॉफ्टवेयर, एप्लीकेशन अंग्रेजी भाषा में ही दिखाई पड़ते हैं। सारा इंटरनेट अंग्रेजी भाषा से पटा हुआ है। विगत कुछ समय से इसके स्वरूप में परिवर्तन देखने को मिल रहा है। अब लोग सर्वप्रचलित भाषा की अपेक्षा स्थानीय भाषा में इंटरनेट का प्रयोग करना ज्यादा पसंद कर रहे हैं। हम ऐसा कह सकते हैं कि ई-संसार में हिंदी का प्रवेश यूनिकोड के साथ प्रारंभ हुआ। उसके बाद में हिंदी में इंटरनेट सर्च और ई-मेल की सुविधा की शुरु हुई। तब से लेकर अब तक हिंदी लगातार इंटरनेट पर अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराती या रही है। हिंदी गूगल इनपुट, यूनीकोड और मंगल जैसे फॉट के विकास ने हिंदी को नया जीवन प्रदान किया। आज 2023 में अगर हम देखें तो इंटरनेट पर हिंदी सामग्री पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। हिंदी की लगभग सभी प्रतिष्ठित पत्र-पत्रिकाएँ इंटरनेट पर उपलब्ध हैं।

हमारा भारत एक बहुभाषी एवं बहुसांस्कृतिक देश है लेकिन किसी अन्य भाषा की तुलना में हिंदी भारतीय भाषा के रूप में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सबसे अधिक जानी-पहचानी जाती है। ऐसे में भारतीय बाजार, जहां अंग्रेजी की तुलना में हिंदी बोलने और समझने वाले लोग ज्यादा हैं, पर अपनी पकड़ बनाने के लिए आज के ई-संसार में हिंदी का महत्व और ज्यादा बढ़ गया है। भारतीय भाषाएं और विशेषकर हिंदी भारतीय इंटरनेट को पुनः परिभाषित कर रही है।

अप्रैल 2017 में प्रकाशित गूगल और केपीएमजी इंडिया की एक रिपोर्ट के अनुसार, 2011 और 2016 के बीच भारतीय भाषा में इंटरनेट उपयोगकर्ताओं की संख्या में 41% की सीएजीआर से बढ़कर 2016 के अंत में 234 मिलियन उपयोगकर्ताओं तक पहुंच गया। इस प्रभावशाली वृद्धि के परिणामस्वरूप भारतीय भाषा के इंटरनेट उपयोगकर्ता अंग्रेजी इंटरनेट उपयोगकर्ताओं से आगे निकल गए हैं। उम्मीद है कि 2024 तक भारत के कुल इंटरनेट उपयोगकर्ताओं की संख्या में भारतीय भाषा के इंटरनेट उपयोगकर्ता लगभग 75% हो जाएंगे। रिपोर्ट में कहा गया है कि, अगले कुछ सालों में, अकेले हिंदी बोलने वाले उपयोगकर्ता अंग्रेजी बोलने वाले उपयोगकर्ताओं से आगे निकल जाएंगे तथा हिंदी भारत में इंटरनेट पर सबसे अधिक उपयोग की जाने वाली भाषा होगी। गूगल के अनुसार हिंदी में सामग्री पढ़ने वाले हर वर्ष 94% बढ़ रहे हैं, जबकि अंग्रेजी में 17% है।

इंटरनेट सक्षम उपकरणों की बढ़ती पहुंच, किफायती हाई स्पीड इंटरनेट की उपलब्धता, भारत की बढ़ती डिजिटल साक्षरता और उपयोगकर्ताओं को ऑनलाइन लाने और संलग्न करने मे बड़ी भूमिका निभा रही है। इंटरनेट सक्षम मोबाइल डिवाइस डिजिटल सामग्री का उपभोग करने के लिए भारतीय उपयोगकर्ताओं की स्पष्ट पसंद बन गए हैं। हिंदी भाषा की डिजिटल सामग्री को भारतीय भाषा के उपयोगकर्ताओं द्वारा अधिक स्वीकार्यता मिल रही है क्योंकि उन्हें यह अंग्रेजी सामग्री की तुलना में अधिक विश्वसनीय लगती है। 88% भारतीय भाषा के इंटरनेट उपयोगकर्ता अंग्रेजी की तुलना में हिंदी भाषा में डिजिटल विज्ञापन पर अधिक प्रतिक्रिया देते हैं।

वर्तमान में हिंदी भाषा में उपलब्ध सर्वाधिक ऑनलाइन सामग्री में समाचार और मनोरंजन शामिल हैं। हिंदी भाषा टाइप करने में सक्षम कीबोर्ड और स्मार्टफ़ोन के कारण चैट एप्लिकेशन और सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म के उपयोगकर्ताओं में वृद्धि देखी गई है। हाल के दिनों में ई-टेलिंग, डिजिटल क्लासीफाइड, डिजिटल भुगतान और ऑनलाइन सरकारी सेवाओं ने भी अपने प्लेटफार्मों पर हिंदी भाषा में सामग्री देना शुरू कर दिया है। 2023 तक हिंदी इंटरनेट उपयोगकर्ताओं की संख्या अंग्रेजी उपयोगकर्ताओं से ज्यादा हो जाएगी। ग्रामीण क्षेत्रों में बढ़ते मोबाईल फोन उपयोगकर्ता और किफायती इंटरनेट की उपलब्धता हिंदी भाषा के ई-संसार में बढ़ते आधिपत्य का एक प्रमुख कारण हैं।

ई-संसार में हिंदी भाषा क्या स्थान रखती है उसके लिए हम एक नजर हिंदी भाषा में इंटरनेट पर उपलब्ध प्रमुख सेवाओं या सामग्री पर डालते हैं जो निम्नलिखित हैं –

- चैट एप्लिकेशन

- डिजिटल मनोरंजन
- सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म
- डिजिटल समाचार
- डिजिटल लेख
- डिजिटल भुगतान
- ई-टेलिंग (अनलाइन खुदरा बिक्री)
- ऑनलाइन सरकारी सेवाएँ
- डिजिटल वर्गीकृत विज्ञापन

चैट एप्लिकेशन : आज उपलब्ध लगभग सभी चैट एप्लीकेशन में हिंदी का प्रयोग तेजी से हो रहा है। शुरुआत में हिंदी टायपिंग न होने से लोग अंग्रेजी में भले ही संदेश लिखते थे लेकिन वो भी हिंदी का अंग्रेजी में लिप्यंतरण ही होता था। अब सभी डिजिटल उपकरणों में चाहे वो स्मार्टफोन हों, साधारण कीपैड फोन हों या फिर विंडोज़ कंप्युटर या एप्पल के कंप्युटर हों हर जगह हिंदी भाषा सहज उपलब्ध है। और इनसे जुड़ी सभी बड़ी कंपनियां को हिंदी भाषा उपलब्ध कराने हेतु विवश होना पड़ा, ये हिंदी भाषा के महत्व और प्रभाव को समझने के लिए पर्याप्त है।

डिजिटल मनोरंजन: नेटफलिक्स, ऐमजान प्राइम जैसी विदेशी ओटीटी मनोरंजन प्लेटफॉर्म आज हिंदी में सर्वाधिक सामग्री परोस रहें हैं। लगभग सभी भाषाओं के कॉन्टेन्ट को हिंदी डब और हिंदी सबटाइटल के साथ ले कर आ रही है। इनको भी यह समझ आ चुका है कि हिंदी ही भारतीय बाजार और युवाओं के बीच पैठ बनाने का मुख्य माध्यम है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म : ट्विटर, फेसबुक, इंस्टाग्राम जैसे विश्व के बड़े सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर हिंदी भाषा धीरे-धीरे अपनी पकड़ मजबूत करती जा रही है। सारे प्लेटफॉर्म हिंदी भाषा में भी उपलब्ध हैं। उन पर हिंदी में लिखने वालों की संख्या में दिनों दिन बढ़ती जा रही है।

डिजिटल समाचार: इंटरनेट की सहज उपलब्धता ने समाचार को डिजिटल बना दिया है, डिजिटल मीडिया पर संचार देखने, पढ़ने और सुनने वालों की संख्या सबसे ज्यादा हो गई है। आज के समय में लगभग हर दैनिक समाचार पत्र और न्यूज चैनल अनलाइन उपलब्ध हैं और यहाँ भी हिंदी का बोलबाला है क्यूंकि हिंदी के समाचार उपभोक्ता अंग्रेजी से ज्यादा हैं।

डिजिटल लेख: जहां पहले इंटरनेट पर केवल अंग्रेजी में ही आलेख उपलब्ध होते थे, आज हिंदी में भी प्रचुर मात्र में उपलब्ध हैं। किताबों से ज्यादा लोग टैबलेट, स्मार्टफोन, लैपटॉप और किंडल पर आलेख पढ़ना पसंद कर रहीं हैं।

लोग अब पोर्टल्स, ब्लॉग और वेबसाईट पर सीधे हिंदी में लिख रहें हैं और अंग्रेजी में उपलब्ध सारे आलेखों का हिंदी अनुवाद भी उपलब्ध है। हिंदी की लगभग सभी बड़ी पत्रिकाएँ डिजिटल रूप में भी इंटरनेट पर उपलब्ध हैं।

डिजिटल भुगतान: गूगल पे, फोन पे, पेटीएम, भीम जैसी डिजिटल भुगतान एप हिंदी भाषा में उपलब्ध हैं। यहाँ तक कि एटीएम पर भी हिंदी भाषा उपलब्ध है। अनलाइन इंटरनेट बैंकिंग की वेबसाईट भी हिंदी भाषा में उबलब्ध हैं।

ई-टेलिंग: अनलाइन खुदरा बिक्री के क्षेत्र में भी हिंदी का बोलबाल है। हिंदी की बढ़ती हुई लोकप्रियता और मजबूती को देखते हुए ऐमज़ान और फ्लिपकार्ट अपने एप का हिंदी संस्करण लेकर आ चुका है। यह बात अब सभी के दिमाग में घर गई है कि भारतीय बाजार में अपनी मजबूत उपस्थिति अगर दर्ज करानी है तो हिंदी भाषा को हर हाल में अपनाना होगा।

ऑनलाइन सरकारी सेवाएँ: सरकार के डिजिटल इंडिया आंदोलन के पश्चात सभी सरकारी काम-काज और सेवाओं को डिजिटल कर दिया गया है और यहाँ भी हिंदी भाषा में सारी सरकारी सेवाएं अनलाइन उपलब्ध हैं। अब लोग घर बैठे हिंदी भाषा में सभी सरकारी सेवाओं का लाभ ले रहें हैं। हिंदी भाषा के कारण सरकार और जनता दोनों को काफी राहत मिली है।

डिजिटल वर्गीकृत विज्ञापन : इंटरनेट पर उपलब्ध लगभग सभी वर्गीकृत विज्ञापन अब हिंदी भाषा में ज्यादा दिखाई देते हैं। फिर चाहे यूट्यूब हो या फेसबुक या ओटीटी हर जगह हिंदी में विज्ञापन दिखाई पड़ते हैं। इसका प्रमुख कारण ये हैं कि भारत में लोग अपनी भाषा के विज्ञापन को ज्यादा विश्वसनीय मानते हैं और उस पर जल्दी प्रतिक्रिया देते हैं।

ई-संसार में हिंदी भाषा के बढ़ते प्रभाव का कारण

आइए अब एक नजर डालते हैं कि किन वजहों से इंटरनेट की दुनिया में हिंदी भाषा का उपयोग बढ़ा है तथा भविष्य में और ज्यादा बढ़ने की पूरी संभावना है।

ऑनलाइन सामग्री में वृद्धि :

स्मार्टफोन उपयोगकर्ताओं की संख्या 176 मिलियन तक पहुँच चुकी है। हिंदी भाषा बोलने समझने वालें लोगों के बीच स्मार्टफोन की पहुंच बढ़ रही है । सरकार ने भारत में बेचे जाने वाले स्मार्टफोन में भारतीय भाषा सक्षम होना अनिवार्य कर दिया है। इससे भारतीय भाषाओं में विशेषकर हिंदी में उपयोगकर्ता-जनित ऑनलाइन सामग्री (वीडियो, ऑडियो और टेक्स्ट) में वृद्धि हो रही है। आज हिंदी में ब्लॉगों की संख्या एक लाख के ऊपर पहुंच चुकी है। आज हिंदी के भी कई सारे सर्च इंजन हैं जो किसी भी वेबसाइट का चंद मिनटों में हिंदी अनुवाद उपयोगकर्ताओं के समक्ष प्रस्तुत कर देते हैं।

इंटरनेट उपयोगकर्ताओं की तेजी से बढ़ती हुई संख्या:

अगले तीन वर्षों के दौरान 60 मिलियन ग्रामीण परिवारों में डिजिटल साक्षरता को बढ़ाने के लिए सरकार के प्रयासों और भारतीय बाजार में अपनी पकड़ बनाने के लिए हिंदी भाषा को अपने इको सिस्टम मे शामिल करने के कारण मनोरंजन से लेकर इन्फोटेनमेंट और ऑनलाइन लेन-देन तक का बदलाव आगे चलकर काफी तेजी से होने की उम्मीद है।

भारतीय भाषाओं के कंटेन्ट का बढ़ता स्थानीय खपत :

डिजिटल समाचार, डिजिटल वर्गीकृत और वित्तीय समाधानों से संबंधित सेवाओं की खपत और पूर्ति सबसे अधिक स्थानीय स्तर पर हो रही है। उत्पादों, सेवाओं और (ऑफ़लाइन) सहायता के स्थानीयकरण के बढ़ते महत्व को देखते हुए, यह कहा जा सकता है कि आने वाले भविष्य में ई-संसार में हिंदी भाषा और स्थानीय भाषा का उपयोग और ज्यादा बढ़ेगा।

व्यवसाय से ग्राहक तक (बी टू सी) की बढ़ती स्पर्धा:

उपभोक्ता उत्पादों, ऑटोमोटिव और वित्तीय सेवा कंपनियों द्वारा भारतीय भाषाओं का समर्थन करने वाले डिजिटल चैनलों में निवेश बढ़ा है और निकट भविष्य में और ज्यादा बढ़ने की उम्मीद है। भारत में टियर 2 और बाकी अप्रयुक्त बाजारों पर अपना अधिकार जमाने के उद्देश्य से, ई-कॉमर्स कंपनियों, समाचार साइटों, भुगतान और छोटे वित्त बैंकों, एम-वॉलेट, बीमा कंपनियों आदि द्वारा एक डिजिटल चैनल बनाने में महत्वपूर्ण निवेश किया जा रहा है जो इंटरनेट का इस्तेमाल करने वाले ग्राहकों के एक बड़े हिस्से तक सीधी पहुंच बनाने में मदद कर रहा है।

मोबाइल वेबसाईट, एप्लिकेशन और वेबसाइटों का हिंदी भाषा/ हिंदी अनुवाद सक्षम होना:

लोगों को बेहतर से बेहतर अनुभव देने के लिए वर्तमान में उपलब्ध वेबसाईट, मोबाईल एप्लीकेशन हिंदी में भी उपलब्ध हैं यदि नहीं हैं तो उनका हिंदी अनुवाद तुरंत उपलब्ध है। याहू, गूगल और फेसबुक भी हिंदी में उपलब्ध हैं। अब कंप्यूटर से निकल कर हिंदी मोबाइल में न केवल पहुंच चुकी है बल्कि भारी संख्या में लोग इसका उपयोग भी कर रहे हैं। इससे उपयोगकर्ता भी बढ़े हैं और हिंदी भाषा भी समृद्ध हो रही है।

स्थानीय भाषाओं में डिजिटल विज्ञापनों का उदय :

आज लगभग 90% भारतीय भाषा के इंटरनेट उपयोगकर्ता अपनी क्षेत्रीय भाषाओं में डिजिटल विज्ञापनों का जवाब देना पसंद करते हैं क्योंकि उन्हें लगता है कि ऑनलाइन उपलब्ध क्षेत्रीय भाषा की सामग्री अंग्रेजी की तुलना में अधिक विश्वसनीय है। एक अध्ययन के अनुसार स्थानीय भाषाओं में डिजिटल विज्ञापनों की हिस्सेदारी 2024 तक 35% से बढ़कर लगभग 85% होने की उम्मीद है।

डिजिटल भुगतान माध्यमों का भारतीय भाषा में उपलब्धता:

भारत में वर्तमान में 35% भुगतान डिजिटल रूप से किया जाता है। ग्रामीण बाजार में डिजिटल भुगतान के उपयोग की उच्च आवृत्ति दर्ज की गई है। यह हिस्सेदारी लगातार बढ़ने की उम्मीद है। कैशलेस अर्थव्यवस्था की दिशा में

निर्देशित यूपीआई और क्यूआर पे जैसी पहल, हिंदी भाषा के इंटरनेट उपयोगकर्ताओं को डिजिटल भुगतान की सुविधा प्रदान कर रही है। निजी कंपनियों के साथ-साथ सरकार भी सुविधाजनक और तेज भुगतान के लिए भारतीय भाषाओं में ऑनलाइन इंटरफेस बनाने में निवेश कर रही है। पूंजी बाजार नियामक सेबी, बीएसई, एनएसई, भारतीय जीवन बीमा निगम, भारतीय स्टेट बैंक, रिजर्व बैंक आफ इंडिया, यूनाइटेड बैंक आफ इंडिया, पंजाब नेशनल बैंक, भारतीय लघु विकास उद्योग बैंक की वेबसाइटें हिंदी में भी उपलब्ध हैं।

वॉयस रेकॉगनिशन और वॉयस टायपिंग:

उन्नत ध्वनि अनुवाद, टायपिंग और आवाज पहचान की तकनीक उन हिंदी भाषा के इंटरनेट उपयोगकर्ताओं की मदद कर रही है, जो हिंदी में टेक्स्ट इनपुट का उपयोग करके आनलाइन सर्च और नेविगेशन को एक चुनौती मानते थे। बहरहाल इसमें अभी और सुधार और प्रगति की आवश्यकता है।

निष्कर्ष:

ई-संसार या इंटरनेट की दुनिया में पहले अंग्रेजी भाषा में लिखने वालों को ही ज्यादा प्राथमिकता दी जाती थी, परंतु अब इस धारणा मे काफी परिवर्तन देखने को मिल रहा है। हिंदी में लिखने वाले को भी न केवल महत्व दिया जा रहा है बल्कि उसे बुद्धिजीवी समझा जाता है। ई-संसार में हिंदी भाषा नित नए आयाम स्थापित कर रही है। जिस तरह से हिंदी भाषा का विकास हो रहा, उससे यह बात स्पष्ट है कि आने वाले समय में हिंदी विश्वपटल में शीर्ष पर काबिज होगी।

आज के समय में बड़े पैमाने में युवा इंटरनेट पर हिंदी कंटेंट पेश कर रहे हैं। इंटरनेट पर हिंदी का प्रयोग करने वाले लोगों की संख्या दिनों दिन बढ़ती जा रही है। फेसबुक, ट्विटर, इंस्टाग्राम जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर तेजी से हिंदी का उपयोग हो रहा है। यूनिकोड ने हिंदी भाषा को और बढ़िया ऊंचाई दी है वर्तमान में बहुराष्ट्रीय कंपनियां भी अपने विज्ञापनों में हिंदी भाषा का प्रयोग कर रही हैं, क्योंकि उन्हें यह बात अच्छे से पता है कि बिना हिंदी के भारतीय बाजार में बने रहना असंभव है। क्योंकि विश्व की बड़ी आबादी हिंदी भाषा का उपयोग करती है इसलिए डिजिटल मार्केटिंग के लिए हिंदी भाषा का प्रयोग किया जा रहा है। हिंदी भाषा की लोकप्रियता दिनोंदिन बाजार और सोशल मीडिया में तेजी से बढ़ रही है हिंदी भाषी लोगों के द्वारा तेजी से उपयोग किया जा रहे ऐप हिंदी में यूजर्स के लिए कंटेंट ला रहे हैं जो उन्हें उंचाईयों पर ले जा रही है।

हिंदी में चैट, ईमेल, ई-शिक्षण, मल्टीमीडिया की सुलभता के कारण हिंदी भाषा की लोकप्रियता और बढ़ी है, लेकिन इन सबके बावजूद भी हिंदी सामग्री में स्पेलचेकर, सर्च जैसी बुनियादी सुधारों की आवश्यकता है जिस पर तेजी से कार्य हो भी रहा है। आज से कुछ वर्ष पहले मोबाइल प्रयोक्ता अपने संदेश भेजने के लिए रोमन लिपि पर निर्भर रहते थे मगर वर्तमान में यह समस्या हल हो चुकी है। भविष्य हिंदी का है। हिंदी बाजार की भाषा बन चुकी है जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसकी उपयोगिता का दावा पेश करने के लिए काफी है।

संदर्भ :

- KPMG in India analysis, April 2017
- https://rajbhasha.gov.in/sites/default/files/lekh3rd_hin2019-20.pdf
- https://www.jansatta.com/politics/jansatta-editorial-hindi-in-internet-world/37321/
- http://www.puneresearch.com/media/data/issues/572ed649c9fde.pdf

Contributors Details:

Praveen Singh